भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1768
सोमवार, 9 मार्च, 2026 (18 फाल्गुन 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन अवसंरचना विस्तार और उभरता विमानपत्तन पारिस्थितिकी तंत्र

1768 श्री आदित्य प्रसाद:
श्री एस. सेल्वागनबेथी:
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
श्री शंभू शरण पटेल:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान प्रारंभ की गई प्रमुख विमानपत्तन और टर्मिनल अवसंरचना का, उनकी डिज़ाइन की गई यात्री वहन क्षमता तथा अपेक्षित क्षेत्रीय आर्थिक प्रभाव सहित, ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नव-विकसित विमानपत्तनों को राजमार्गों, रेलवे तथा लॉजिस्टिक केंद्रों से जोड़ने हेतु कोई एकीकृत मल्टी-मॉडल संपर्क योजना तैयार की गई है;

(ग) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार द्वारा नव-प्रचालित विमानपत्तनों के आसपास रोजगार सृजन तथा स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के संबंध में कोई आकलन किया गया है, यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): भारत सरकार (जीओआई) ने देश में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। पिछले दो वर्षों में भारत सरकार ने राजस्थान के कोटा, ओडिशा के पुरी और तमिलनाडु के परांदुर में क्रमशः 2, 4.6 और 20 मिलियन यात्री प्रति वर्ष (एमपीपीए) की अनुमानित यात्री हैंडलिंग क्षमता वाले नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी प्रदान की है। इसके अलावा, हवाईअड्डों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और पिछले दो वर्षों के दौरान, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और निजी हवाईअड्डा प्रचालकों/विकासकर्ताओं द्वारा दिल्ली, लखनऊ, गुवाहाटी, कोल्हापुर, जबलपुर, ग्वालियर, देहरादून, राजकोट, सूरत, तूतीकोरिन, ईटानगर और प्रयागराज आदि सहित देशभर के कई हवाईअड्डों पर हवाईअड्डा परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्नयन/आधुनिकीकरण/विस्तार के साथ, इन हवाईअड्डों की यात्री प्रबंधन क्षमता 135 एमपीपीए से अधिक हो गई है।

(ख) और (ग): जीएफए नीति, 2008 के तहत, 13 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों अर्थात दुर्गापुर, शिरडी, कन्नूर, पाक्योंग, कलबुरगि, ओर्वकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, ईटानगर,

मोपा, शिवमोग्गा, राजकोट (हीरासर) और नवी मुंबई को परिचालनरत किया गया है और ये सड़क और रेल नेटवर्क अच्छी तरह से जुड़े हैं।

(घ): हवाईअड्डे, आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था पर इनका गुणक प्रभाव पडा है। नागर विमानन क्षेत्र और आर्थिक विकास के बीच संबंध को भली-भांति पहचाना गया है। अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 है।

*****